

डॉ. इलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 27, अहाब और एलिय्याह के समय तक विभाजित यहूदा और इस्राएल

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

खैर, यह शुरू करने का एक उपयुक्त समय लगता है। बातचीत में थोड़ी शांति है। मसीह की शांति आपके साथ हो।

यह एक अद्भुत सप्ताह है जिसमें हम प्रवेश कर रहे हैं, एक ऐसा सप्ताह जिसमें हम वास्तव में कुछ समय फिर से चिंतन करने में बिता सकते हैं, और उम्मीद है कि बहुत ही गहन स्तर पर, उन चीजों पर जो लगभग 2,000 साल पहले हमारे शाश्वत पक्ष के लिए घटित हुई थीं। उससे, सांसारिक बातों पर वापस आते हुए, एक चीज जो मैं आमतौर पर इन पत्रों के साथ करता हूँ, वह है उन्हें पढ़ते ही उन्हें वापस सौंप देना। और इस संबंध में मैं यह घोषणा इसलिए कर रहा हूँ क्योंकि आपके मित्र, रूममेट या जो भी हो, उसे उसका पेपरबैक मिल सकता है।

ऐसा मत सोचना कि उसने मेरा खो दिया है। मैं अभी तक इसके लिए समय नहीं निकाल पाया हूँ। इस बार, मैं सबसे पहले हार्ड-कॉपी पेपर पढ़ रहा हूँ।

मैं उन्हें समूहों में करता हूँ, इसलिए 25 नीतिवचन लगभग पूरे हो चुके हैं। लेकिन सभी को पूरा करने में लगभग डेढ़ सप्ताह का समय लगेगा, लेकिन मैं उनमें से कुछ को आज और सप्ताह बीतने के साथ आपको वापस कर दूँगा। लेकिन फिर से, ताकि आपको यह न लगे कि मैं किसी तरह आपकी नीतिवचन खो बैठा हूँ।

अगर ऐसा होता है, तो हमें डेढ़ हफ़्ते में पता चल जाएगा कि यह सच है या नहीं। इसके अलावा, मुझे नहीं लगता कि घोषणाओं के मामले में मुझे आपको कुछ याद दिलाने की ज़रूरत है। माफ़ करें, आइए हम कुछ ऐसा गाएँ जो हमारे लिए पुराना और जाना-पहचाना हो।

ठीक है? भजन 133 को साथ में पढ़ते हुए शुरू करें।

स्वर्ग में हमारे पिता, आपने हमें बहुत आशीर्वाद दिया है। आपने हमें मसीह के माध्यम से स्वर्गीय स्थानों में हर आध्यात्मिक आशीर्वाद से आशीर्वाद दिया है।

और हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे दिल फिर से गर्म हो जाएँ, आपसे बेहतर प्यार करने की इच्छा से जलें, आपको बेहतर तरीके से जानें। पिता, हम जानते हैं कि ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जो हमें उलझाती हैं। हम व्यस्तता, कुछ लोगों की बीमारी, निराशा, चिंताओं को जानते हैं।

कृपया हमें उन लोगों को फिर से क्रूस के नीचे लाने में मदद करें और जानें कि आप हमारी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से पर्याप्त हैं जिसके लिए हम हमेशा आभारी हैं। आज हमें सिखाएँ, प्रभु। हम प्रार्थना करते हैं कि आपका वचन हममें से हर एक के लिए जीवंत हो।

पिता, हम जानते हैं कि आपके पास हमें सिखाने के लिए सबक हैं। हमारे दिल ग्रहणशील हों। पिता, हम न केवल अपने लिए प्रार्थना करेंगे बल्कि हमें भी ऐसे दिल रखने में मदद करेंगे जो टूटे हुए संसार तक पहुँच सकें।

हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं जो दुनिया के विभिन्न हिस्सों में शत्रुता, अकाल और अन्य सभी तरह की परेशानियों के कारण अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हे प्रभु, अपनी आत्मा से उनकी ज़रूरतों को पूरा करें। अपने लोगों की मदद करें ताकि वे उन परिस्थितियों में प्रकाश की किरण बन सकें।

हम अपने सशस्त्र बलों में पुरुषों और महिलाओं के लिए प्रार्थना करते हैं कि आप उनकी भी रक्षा करें। प्रभु, इन सभी बातों में, हम स्वीकार करते हैं कि आप ब्रह्मांड के स्वामी हैं, और इसलिए हम उनसे पूछने का साहस करते हैं। यीशु के नाम में, आमीन।

खैर, हम आगे बढ़ने जा रहे हैं, जिसका मतलब है कि हम इतिहास में वापस जाने वाले हैं। हमें बस थोड़ा सा समीक्षा करनी है क्योंकि, जाहिर है, हमने पिछले सप्ताह सुलैमान के साथ मिलकर ज्ञान साहित्य के बारे में बात की है। तो, चलो वापस चलते हैं।

सबसे पहले, बहुत पीछे, न्यायाधीशों का काल। मैं इतना पीछे क्यों जा रहा हूँ? क्योंकि आज की सामग्री में हम जो पैटर्न देखने जा रहे हैं, वही पैटर्न उस समय भी अच्छी तरह से स्थापित था। लोग वास्तव में प्रभु के लिए जल रहे थे, और फिर उन्होंने धर्मत्याग कर दिया, और फिर परमेश्वर ने उन पर अत्याचार किया, और फिर उसके कारण, वे उसके पास वापस आ गए।

उसने उन्हें छुड़ाने वाले भेजे, लेकिन आपको याद है कि यह चक्र बार-बार दोहराया जाता रहा? यह मानव स्वभाव का चक्र है, और हम इसे जारी देखेंगे। हमने राजशाही में परिवर्तन के बारे में बात की, शमूएल इस पूरे उद्यम में मुख्य भविष्यवक्ता था, और फिर पहला राजा शाऊल था, लेकिन निश्चित रूप से, परमेश्वर ने दाऊद को चुना क्योंकि शाऊल कई तरीकों से अवज्ञाकारी था। दाऊद ही राजा होगा, और यह दाऊद वंश है जो स्थापित होता है।

अब, मैं इतनी दूर क्यों जा रहा हूँ? खैर, जैसा कि मैंने कहा, हमने नीतिवचन में अद्भुत चीजों और सभोपदेशक और अय्यूब में पेचीदा सवालों के बारे में बात करते हुए एक सप्ताह बिताया है, और ज्ञान साहित्य में उस मार्ग पर जाने के बाद, हमें अब इतिहास के बारे में सोचने के लिए खुद को फिर से तैयार करना होगा। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि आपको इतिहास पसंद आएगा। मेरा मतलब है, मुझे ज्ञान साहित्य पसंद है, लेकिन इतिहास बहुत मजेदार है, और इससे सीखने के लिए बहुत सी चीजें हैं।

तो, किसी भी दर पर, यहाँ आपके लिए एक समीक्षा प्रश्न है। खुद को डेढ़ सप्ताह पीछे ले जाने के लिए, परमेश्वर ने दाऊद के घराने से राज्य का एक बड़ा हिस्सा हटाने का फैसला किया क्योंकि

यह बहुविकल्पीय है; बतशेबा के साथ दाऊद का पाप अक्षम्य था। सुलैमान की मृत्यु के बाद कोई पुत्र नहीं बचा।

तीन के बारे में क्या ख्याल है? सुलैमान ने अपनी बहुत सारी संपत्ति शेबा की रानी को दे दी। या डी, सुलैमान ने अपनी पत्नियों को खुश करने के लिए विदेशी देवताओं की वेदियाँ बनवाईं, लेकिन इससे भगवान नाराज़ हो गए। यह एक तरह से बिना सोचे समझे की बात है, है न? आप क्या चुनने जा रहे हैं? डी. क्या कोई क्रिस का विरोध करने जा रहा है? हाँ, यह डी है। ओह, यह सब एक साथ आना चाहिए था।

इसके लिए क्षमा करें। मैं यह करना भूल गया। किसी भी दर पर, हाँ, हमने 1 राजा 11 में देखा कि यहाँ क्या हो रहा है कि सुलैमान, अपनी बुद्धि के बावजूद, क्योंकि परमेश्वर ने उसे बहुत अधिक बुद्धि दी थी, उसके बावजूद भी उसके पास मानवीय दोष थे, और उसने गठबंधन किए, विशेष रूप से राजनीतिक गठबंधन, और राजनीतिक पूंजी, जैसा कि हमने कहा है, पत्नियाँ और रखेलें थीं, और दुर्भाग्य से उसने अपने दिल को उनके पीछे जाने दिया।

उसने उनके लिए वेदियाँ बनाईं, और प्रभु ने उसे दो बार सूचित किया, एक बार स्वप्न में और फिर शिलोह के नबी अहियाह के माध्यम से भी। हमने इसे यहीं छोड़ा है। तो, सबसे पहले, विभाजन, सुलैमान का धर्मत्याग, और मैंने अभी इसका उल्लेख किया है।

आप पहले से ही उस सामग्री को वापस जाकर देख सकते हैं, और फिर यह भविष्यवक्ता, जो वास्तव में नेबात के बेटे यारोबाम के पास आता है, और उससे कहता है, परमेश्वर दाऊद के वंश से, सुलैमान के बेटे से दस गोत्रों को छीनकर तुम्हें देने जा रहा है। तो यही वह जगह है जहाँ हमने पिछली बार चीजों को छोड़ा था। अब, जैसा कि हम 1 राजा 12 से शुरू करते हैं और 19 तक जाते हैं, उम्मीद है कि हम आज समानताओं और इतिहास के साथ उस तक पहुँच जाएँगे; कुछ चीजें हैं जो हमें पृष्ठभूमि की जानकारी के रूप में चाहिए।

तो अब हम पृष्ठभूमि की जानकारी पर आते हैं। अब हमारे पास एक उत्तरी राज्य और एक दक्षिणी राज्य होगा। और वैसे, जैसा कि व्याख्यान नोट अगले दिनों में चलते हैं, मैं विभिन्न शासकों के बीच अंतर करने में हमारी मदद करने के लिए एन और एस कहने जा रहा हूँ।

अगर आपने थोड़ा पढ़ा है, तो आप जानते होंगे कि नाम खतरनाक रूप से भ्रमित करने वाले हो सकते हैं। उत्तर और दक्षिण में एक ही नाम के राजा हैं, और यह थोड़ा भ्रमित करने वाला है। इसलिए, हम उत्तर और दक्षिण, एन और एस कहकर इसे सुलझाने की कोशिश करेंगे। हालाँकि, इन अलग-अलग राज्यों में क्या चल रहा है, इसके लिए शास्त्रों में अपने-अपने नाम हैं।

तो, भविष्य के संदर्भ के लिए, जब हम उत्तरी राज्य के बारे में बात कर रहे हैं, तो इस बिंदु से आगे यह आमतौर पर इज़राइल होने जा रहा है। हम इज़राइल को एक पूरे समूह के रूप में सोच रहे हैं, याकूब के सभी वंशज इज़राइल। लेकिन अब, उत्तरी राज्य को मुख्य रूप से इज़राइल के रूप में संदर्भित किया जाएगा, हमेशा नहीं, लेकिन मुख्य रूप से।

दक्षिणी राज्य यहूदा होगा क्योंकि यहूदा का गोत्र दक्षिणी राज्य का केंद्रबिंदु है। अब, यह कहने के बाद आपको यह ध्यान रखना होगा कि उत्तरी राज्य को अक्सर एप्रेम भी कहा जाता है। क्या आप जानते हैं क्यों? क्या कोई अनुमान लगाना चाहता है? यह कोई आलंकारिक प्रश्न नहीं है।

उत्तरी राज्य को एप्रेम क्यों कहा जाता है? या फिर पीछे चलते हैं। एप्रेम कौन है? चेल्सी। खैर, असल में, यूसुफ का बेटा जो सर्वोच्च पद पर आसीन होने जा रहा है, यह वास्तव में मनश्शे, एप्रेम है, लेकिन हाथों को पार करने वाले हिस्से को याद रखें, है न? तो, एप्रेम यहाँ प्रमुख पुत्र होने जा रहा है और प्रमुख जनजाति होगी।

जरूरी नहीं कि आकार के मामले में, मनश्शे को सभी तरह के एकड़ मिलते हैं, लेकिन एप्रेम वास्तव में प्रमुख जनजाति है। इसलिए, इसे ध्यान में रखें। यह कुछ इस तरह है कि, ठीक है, इसके अलावा अगला भी।

आप जानते हैं, कई बार, जब विदेशी देश संयुक्त राज्य अमेरिका का उल्लेख करते हैं, तो वे संयुक्त राज्य अमेरिका नहीं कहते हैं। वे वाशिंगटन, डीसी या ऐसा ही कुछ कह सकते हैं। इसलिए, यह उन प्रमुख स्थानों में से एक है जो किसी तरह से पूरे राजनीतिक इकाई का प्रतिनिधित्व करता है।

यह न केवल एप्रेम शब्द का उपयोग करते समय सत्य होगा, बल्कि यह तब भी सत्य होगा जब वे सामरिया शब्द का उपयोग करेंगे। जैसा कि हम आज देखने जा रहे हैं, सामरिया अंततः उत्तरी राज्य की राजधानी बन जाएगा। यह वहाँ से शुरू नहीं होता है, लेकिन यह राजधानी बनने जा रहा है।

इसलिए कई बार, खास तौर पर भविष्यवक्ताओं में, जब आप भविष्यवक्ताओं को पढ़ रहे होते हैं, तो वे हमेशा इज़राइल, इज़राइल, इज़राइल नहीं कहते हैं। वे इस उत्तरी राज्य को एप्रेम और कभी-कभी सामरिया कहते हैं, और यह उत्तरी राज्य की संपूर्णता का प्रतिनिधित्व करता है। जैसा कि मैंने कहा, दक्षिण को आमतौर पर यहूदा कहा जाता है।

यहाँ एक और बात है जिसे आपको ध्यान में रखना चाहिए, महत्वपूर्ण बातों के संदर्भ में जो अगले, ठीक है, हमारे लिए डेढ़ हफ्ते में, उनके लिए 200 और कुछ सालों में सामने आएंगी। माफ़ करें। सबसे पहले, जैसा कि मैंने अभी थोड़ी देर पहले सामरिया के बारे में बात करते समय बताया था, राजधानी उत्तर की ओर बदलने जा रही है।

हम इसे कुछ ही पल में होते हुए देखेंगे। इसलिए एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि राजधानी कहाँ स्थित है, इस मामले में स्थिरता है। इसके कम से कम तीन स्थान हैं; कुछ लोग चार संभावित स्थानों का सुझाव देते हैं।

यह कुछ इस तरह होगा जैसे जब वाशिंगटन, डीसी पर हमला होता है, तो चीजें थोड़ी अंदर की ओर चली जाती हैं, शायद फिलाडेल्फिया, ठीक है? तो यह उस तरह की बात होगी। जबकि दक्षिण में, यरुशलम हमेशा राजधानी है। यहां तक कि जब उन पर हमला होता है, और ऐसे कई मौके होंगे जब ऐसा होगा, तब भी यरुशलम राजधानी के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखता है।

साथ ही, यह अस्थिरता, संभावित अस्थिरता का संकेत है। समय-समय पर हमारे पास कुछ राजवंश परिवर्तन होंगे, और आप उस पर भी ध्यान देना चाहेंगे। उत्तर में, मैं अगले हफ्ते या उससे भी पहले इन उत्तरी वर्षों, राज्य वर्षों के बारे में बात करते हुए चार प्रमुख राजवंशों का उल्लेख करने जा रहा हूँ। वास्तव में इससे कहीं ज़्यादा है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप चार प्रमुख राजवंशों के बारे में जानें, और इसलिए जैसे-जैसे हम हर एक के बारे में बात करेंगे, हम उनके बारे में बात करेंगे।

यह तो कुछ अस्थिरता की बात करता है, है न? और आज के अपने पाठ में, आपने निश्चित रूप से इसे देखा होगा। समय के ऐसे बिंदु होते हैं जब बहुत अधिक उथल-पुथल होती है, विशेष रूप से प्रथम राजा 16, कि लोग बस, मेरा मतलब है, एक गृहयुद्ध चल रहा है और सैन्य शासक सत्ता संभाल रहे हैं। समकालीन लगता है, है न? जरूरी नहीं कि हमारे लिए, लेकिन दुनिया के अन्य हिस्सों में।

डेविड हमेशा, या क्षमा करें, डेविडिक राजवंश हमेशा वह वंश है जो हमारे पास दक्षिण में है। एक छोटे से अपवाद के साथ जिसके बारे में हम बात करेंगे जब हम उसके पास पहुँचेंगे। उसका नाम अथलिया है, और वह एक दुष्ट महिला है, लेकिन हम उसके बारे में बाद में बात करेंगे।

अन्यथा, यह डेविडिक राजवंश है। तीसरी बात जो मैं आपको ध्यान में रखना चाहूँगा, वह यह है कि, फिर से, हम इस समय लगभग 200 वर्षों के अवलोकन के बारे में बात कर रहे हैं। लेकिन इसकी स्थलाकृति के कारण, यहाँ भूगोल फिर से इतना दिलचस्प हो जाता है।

याद रखें, हमने कई अलग-अलग संदर्भों में भूगोल के महत्व के बारे में बात की है। यहाँ, यह फिर से महत्वपूर्ण है। जब उत्तरी राज्य ने, खासकर अपनी राजधानी सामरिया में स्थानांतरित कर दी, और मैं थोड़ी देर में एक नक्शा देखूँगा, तो इसने इसे विदेशी प्रभाव के लिए खोल दिया।

क्योंकि वहाँ की भौगोलिक स्थिति आसान है, और इसलिए वहाँ के लोग इतने अलग-थलग नहीं हैं, ये चीजें बस थोड़ी और बढ़ जाती हैं, उत्तर से ये बुरे प्रभाव। इसलिए, उस पर कायम रहें। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

सवाल? क्या मैं अब तक अंग्रेज़ी बोल रहा हूँ? यह राहत की बात है। ठीक है, चलिए आगे बढ़ते हैं। यह रहा हमारा नक्शा।

आप इस मानचित्र को लाइब्रेरी के संदर्भ अनुभाग, बाइबल के NIV एटलस या ऐसी ही किसी अन्य चीज़ में पा सकते हैं। यदि आपको इस सामग्री की समीक्षा करने की आवश्यकता है, तो विभाजित राज्य को संबोधित करने वाला मानचित्र खोजें क्योंकि कुछ महत्वपूर्ण चीज़ें हैं जिन्हें हम नोट करना चाहते हैं। सबसे पहले, आइए शुरू करते हैं।

उत्तरी जनजातियाँ, कुल मिलाकर, यहाँ क्या हो रहा है, और निश्चित रूप से, यहाँ के ये लोग, वहाँ की ढाई जनजातियाँ, उत्तर की ओर जाने वाली हैं। अब, अगर आपने आज की सामग्री को ध्यान से पढ़ा है, तो उन उत्तरी जनजातियों के लोग हैं जो यारोबाम की हरकतों से इतने परेशान हैं कि वे

दक्षिण की ओर आने वाले हैं। लेकिन कुल मिलाकर, हमारी उत्तरी जनजातियाँ यहाँ ऊपर रहने वाली हैं, और फिर यहाँ यहूदा हैं।

बेंजामिन और आपको आदिवासी आबंटन याद होंगे जिन्हें मैंने आपको याद करने के लिए मजबूर किया था; बेंजामिन बीच में फंस गया है, हमेशा बीच में फंस जाता है। और यह हमें हमारे दूसरे बिंदु, सीमा क्षेत्र की ओर ले जाता है, क्योंकि सीमा क्षेत्र में उतार-चढ़ाव होने वाला है। फिर से, यदि आपने आज की सामग्री पढ़ी है, तो आप जानते हैं कि समय के ऐसे बिंदु हैं जब दक्षिण थोड़ा मजबूत होने वाला है, और वे उत्तर की ओर बढ़ने वाले हैं।

और वास्तव में, अबियाह इतनी दूर उत्तर की ओर बढ़ेगा कि वह बेथेल से भी आगे निकल जाएगा। लेकिन फिर वह फिर से दक्षिण की ओर वापस आएगा। समकालीन स्थितियों में, यही बात होती है।

दुनिया के दूसरे हिस्सों में क्या चल रहा है, इस पर नज़र डालिए, जहाँ लड़ाई और संघर्ष है, हमेशा सीमाएँ बदलती रहती हैं। वे हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं। यहाँ भी वही हो रहा है।

तीसरी बुलेट, फिर से, नक्शे को देखते हुए। यहाँ बेथेल है, यहाँ डैन है, वहाँ क्या हुआ? राज्य में विभाजन के परिणामस्वरूप सबसे अधिक परेशान करने वाली चीजों में से एक वह है जो बेथेल और डैन में हुआ। हाँ, चेल्सी? हाँ, यह सुनहरे बछड़ों की स्थापना है, ठीक है? अब, मैं आपको एक पल में इसके साथ मानचित्र देखने के लिए कह रहा हूँ। हम थोड़ी देर बाद कुछ अन्य चीजों को देखेंगे।

लेकिन यहाँ आपको वे सभी जनजातियाँ मिलेंगी जिनके बारे में हम बात कर रहे हैं। ईश्वर के लोगों के रूप में, वाचा के लोगों के रूप में उन्हें साल में तीन बार क्या करना आवश्यक था? उन्हें साल में तीन बार क्या करना चाहिए था? यह टोरा से जुड़ा है। टोरा को नहीं भूल सकते।

केटी? हाँ, उन्हें उन तीन महत्वपूर्ण त्योहारों के लिए यरूशलेम की तीर्थयात्रा पर जाना था। अब, बस एक पल के लिए रुकें और सोचें। मान लीजिए कि आप यिज़्रेल में रह रहे हैं, जो यहीं है, जिसके बारे में हम थोड़ी देर में बात करेंगे।

यरूशलेम जाना एक लंबी और कठिन यात्रा है। इसमें आपको ढाई, तीन दिन लगेंगे, और अब यह दुश्मन का इलाका है। या मान लीजिए कि आप कादेश या हाज़ोर में रह रहे हैं।

यरूशलेम जाना भी वैसा ही होगा: और भी लंबी, शायद चार दिन की यात्रा। क्या यह आसान नहीं है कि आप अपना सामान उठाकर दान में जाकर पूजा करें? यारोबाम ने जो किया है, वह साधक-अनुकूल धर्म का निर्माण करना है। ओह, आपको यरूशलेम जाने की ज़रूरत नहीं है, बस यहाँ आ जाइए।

ये तुम्हारे देवता हैं जो तुम्हें मिस्र से बाहर लाए थे, सोने के बछड़े की ओर इशारा करते हुए। जब तुम नक्शे को देखते हो, तो यह थोड़ा और समझ में आता है। यह आसान होने वाला है।

लेकिन जैसा कि मैं आपको बाद में बताऊंगा, क्योंकि मैं इसे दो बार कहने जा रहा हूँ, यहां और फिर, यह सत्य है जो हमें स्वतंत्र करेगा, न कि सहज और न ही सहज। और जब लोगों को यरूशलेम जाने और प्रभु की आज्ञा मानने के लिए कहा गया, तो यही वाचा कहती है, व्यवस्थाविवरण अध्याय 12, साथ ही अन्य स्थानों पर भी। उन्हें एक आसान तरह के धर्म का आनंद लेने के बजाय ऐसा करना चाहिए था।

तो, किसी भी दर पर, बेथेल और दान और स्थान महत्वपूर्ण हैं, और उनमें एक काफी महत्वपूर्ण सबक शामिल है। हाँ, रेबेका? हाँ, सवाल यह है कि सोने का बछड़ा क्यों बनाया गया? मंदिर क्यों नहीं बनाया गया? ऐसा लगता है कि उसके पास एक मंदिर भी था, और उसके पास एक वेदी भी थी क्योंकि जब आप वेदी के विभाजन के बारे में पूरी बात पढ़ते हैं, और हम इसे अध्याय 13 में एक पल में देखने जा रहे हैं, तो उसके पास कुछ ऐसी साज-सज्जा है। जैसा कि आप जानते हैं, वह गैर-लेवी पुजारियों को नियुक्त करता है, इसलिए उसके पास वह सब कुछ है जो दिखता है, ठीक है, यह अच्छा दिखता है, यह सिर्फ सही नहीं है।

बेशक, सोने के बछड़े का एक उदाहरण है। वह उदाहरण क्या है? यह वही है जो हारून ने किया था। जैसा कि हमने हारून की स्थिति के बारे में बात करते समय कहा था, हारून शायद मिस्र की मूर्ति स्थापित नहीं कर रहा है।

वह सोचता है, कम से कम अगर हम निर्गमन 32 को सही ढंग से पढ़ें, तो उसने वास्तव में यहोवा का एक प्रतिनिधित्व स्थापित किया है। और इससे लोगों के लिए अवधारणा बनाना और पूजा करना आसान हो जाएगा। आप जानते हैं, यह एक आसान चीज़ बनाना है जो बहुत कपटी है।

अब, शायद यही बात यारोबाम के साथ हो रही है। मेरा सुझाव है कि कुछ और भी हो रहा है क्योंकि हो सकता है कि कुछ विदेशी कनानी प्रभाव इसमें आ रहे हों। बछड़े का बाल पूजा से बहुत कुछ लेना-देना था, और बाल पूजा इस समय इन लोगों के लिए कोई अजनबी बात नहीं है।

तो, यह लंबा और जटिल है, लेकिन यह मेरा त्वरित उत्तर होगा। यह एक अच्छा सवाल है। आइए उत्तर में राजधानियों पर नज़र डालें, क्योंकि वे भी महत्वपूर्ण होने जा रहे हैं।

चीजें शेकेम से शुरू होती हैं। यह यहीं है। और, बेशक, हम जानते हैं कि शेकेम का एक लंबा और पारंपरिक, सत्यनिष्ठ, आदरणीय इतिहास है क्योंकि यही वह जगह है जहाँ अब्राहम पहली बार इस देश में आया था, और अन्य चीजें भी सामने आएंगी, जैसे कि वाचा का नवीनीकरण।

तो, शेकेम महत्वपूर्ण है। थोड़े समय में ही यह तिरज़ा तक पहुँच जाएगा। बस थोड़े समय में ही।

और इसका कारण यह प्रतीत होता है, हालाँकि आपको इसे समझने के लिए पंक्तियों के बीच पढ़ना होगा, इसका कारण यह प्रतीत होता है कि जब शिशक, मिस्र का वह फिरौन, आक्रमण करने के लिए आता है, तो वह न केवल दक्षिण और यरूशलेम के लोगों के जीवन को दयनीय बनाता है, बल्कि वह जाकर शेकेम पर भी हमला करता है। हम यह कैसे जानते हैं? हम यह उसके लेखों को पढ़कर जानते हैं, जो उसने मिस्र में छोड़े थे। शायद यही कारण है कि लोग तिरज़ाह तक जाने के लिए मजबूर हुए।

यह बहुत दूर नहीं दिखता, लेकिन यह काफी दूर है और अधिक एकांत है। यह कुछ समय के लिए एक सुरक्षित स्थान है। यह कुछ समय के लिए एक सुरक्षित स्थान है।

और फिर, कुछ ऐसे उदाहरण जो हम लगभग आधे घंटे में देखने जा रहे हैं, एक व्यक्ति जिसका नाम ओमरी है, जो अहाब का पिता है, जिसके बारे में हम काफी विस्तार से बात करने जा रहे हैं, जो कहेगा, नहीं, आप जानते हैं, हम राजधानी को यहाँ से बाहर ले जा रहे हैं। अब फिर से, नक्शे पर, यह छोटा दिखता है। यह वास्तव में छोटा है।

मैं यह जानता हूँ। लेकिन सामरिया में जाना एक अलग दुनिया में जाने जैसा है। क्योंकि, जैसा कि मैंने कुछ देर पहले कहा, यह भौगोलिक रूप से ज़्यादा खुला है।

जब वह अपनी राजधानी सामरिया को स्थानांतरित करने का फैसला करता है, तो वह एक सार्वजनिक बयान देता है। मैं वहाँ की संस्कृति को अपनाता हूँ। यह फोनीशियन है। यह बाल पूजा से भरा हुआ है।

ओम्री का बेटा अहाब बाल पूजा को राज्य धर्म के रूप में अपनाने जा रहा है। उस समय चर्च और राज्य में कोई अंतर नहीं था।

और इसका एक हिस्सा यहाँ सामरिया की ओर जाने वाले इस कदम से सहायता और प्रोत्साहन प्राप्त करता है। तो, आप उन तीन राजधानियों और उस कदम के निहितार्थों को जानना चाहेंगे। माउंट कार्मेल पर क्या होता है? माउंट कार्मेल, जैसा कि हम जानते हैं, यह वह चीज़ है जो भूमध्य सागर में एक ऊँची पहाड़ी पर उभरी हुई है।

यह वास्तव में इस पूरी लंबाई तक फैला हुआ है। ठीक वहाँ, उच्च बिंदु पर, माउंट कार्मेल में क्या होता है? प्रसिद्ध कहानी। मैट? हाँ।

बाल के नबी बनाम एलियाह के नबी। सिर्फ बाल के नबी ही नहीं, बल्कि बाल और अशेरा भी। वे सभी इस बड़ी गड़बड़ी में शामिल हैं।

इस बारे में दिलचस्प बात यह है। अगर आप इस नक्शे को देखें, तो यहाँ सिडोन है, यहाँ टायर है, और यहाँ फोनीशियन है, जो तकनीकी रूप से फोनीशियन नियंत्रण का क्षेत्र है। लेकिन एलिजा के हमारे आख्यानो के समय तक, फोनीशियन ने अपने वास्तविक शासन को माउंट कार्मेल तक फैला दिया था।

यह एक सीमा थी। यह एक प्राकृतिक सीमा थी। यह एक पर्वत है।

यह एक बाधा के रूप में कार्य करता है। और मूल रूप से, आपके पास बाल पूजा करने वाले फोनीशियन हैं जो यहाँ तक नियंत्रण कर रहे हैं। इसका मतलब है कि उन्होंने कुछ उत्तरी जनजातियों पर कब्ज़ा कर लिया है, है न? उन्होंने आशेर पर कब्ज़ा कर लिया है, वह जनजाति जो यहाँ तक है।

अब, यह तब महत्वपूर्ण हो जाता है जब हम बाल, अशोरा और एलिय्याह के भविष्यवक्ताओं के बीच प्रतियोगिता के बारे में लगभग 20 मिनट तक बात करते हैं। तो, इस पर थोड़ा रुकें। यिज़्रेल, मैंने कुछ समय पहले इसका उल्लेख किया था, यहीं पर।

यह सामरिया से बहुत दूर नहीं है। जैसा कि पता चलता है, विभाजित राज्य के दौरान, अक्सर सर्दियों के मौसम में, शासक परिवार, शाही परिवार, सामरिया से अपने संचालन का आधार ले लेता था, जो कि हवादार और ठंडा और ऊँचा स्थान है, यिज़्रेल में, जो कि कम ऊँचाई पर है।

यह गर्म है। उनके पास केंद्रीय हीटिंग नहीं है जिस तरह से आप और मेरे पास है। वे फरवरी में मैसाचुसेट्स में जीवित नहीं रह सकते थे।

लेकिन आप बात समझ गए होंगे। यिज़्रेल भी, कुछ मायनों में, एक तरह से राजधानी थी, एक तरह से दूसरी राजधानी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे पास वहाँ इज़ेबेल है और यह हमारी एलिजा कहानी में भी महत्वपूर्ण होने जा रहा है।

खैर, माउंट होरेब नक्शे से गायब है, है न? यह सिनाई प्रायद्वीप में बहुत नीचे है। हम एलिजा को वहाँ भागते हुए देखेंगे। ये सारी चीज़ें, ये तीनों, हमारी एलिजा कहानी से जुड़ी हैं।

सुदूर गिलियड यहीं पर है। और आप बारीक अक्षरों को नहीं पढ़ सकते, या अगर पढ़ भी लें, तो आपकी आँखें बहुत अच्छी हैं। लेकिन बारीक अक्षर महत्वपूर्ण हैं।

इसमें कहा गया है कि यह उत्तरी राज्य और सीरिया के बीच अक्सर होने वाला युद्ध का मैदान है। याद रखें, सीरिया हमारा बफर ज़ोन क्षेत्र है जो उत्तरी राज्य के उत्तर और पूर्व में है। और उससे आगे, यह वही होगा जो मेसोपोटामिया को नियंत्रित करेगा।

शायद यह असीरियन हैं। शायद यह बेबीलोनियाई हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम किस समय अवधि के बारे में बात कर रहे हैं।

सीरिया की राजधानी या अराम, दमिश्क है। यहीं पर। और वैसे, यहाँ फिर से एक भौगोलिक मुद्दा है।

यह सड़क सिर्फ नक्शे पर लाल रेखा नहीं है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग है। और इसलिए, जो कोई भी रिमोट गिलियड जैसे महत्वपूर्ण, महत्वपूर्ण चौराहे को नियंत्रित करता है, उसके पास बहुत अधिक शक्ति है।

यही कारण है कि इसराइल अक्सर सीरिया के साथ इस मुद्दे पर लड़ता रहता है। यह मनश्शे के कबीले का हिस्सा होना चाहिए था। लेकिन हमेशा ऐसा नहीं हुआ।

वे अक्सर हार मान जाते थे और इसे खो देते थे। तो, क्या मैं यह बात समझ रहा हूँ? ये महत्वपूर्ण स्थान हैं जिनके बारे में आप जानना चाहेंगे। वापस जाएँ और किसी एटलस में कहीं से नक्शा ढूँढ़ लें।

शायद आपकी बाइबल के पीछे एक था। कोई सवाल? हाँ, ट्रेवर? क्या आप वही दोहरा सकते हैं जो आपने यिज्जेल के बारे में कहा था? मैंने यिज्जेल के बारे में जो कहा। यह काफी दिलचस्प है, हम इसे शास्त्रों में नहीं पढ़ते हैं, लेकिन जब आप इसे उत्तरी राज्य के लोगों के लिए शीतकालीन राजधानी के रूप में खोलते हैं तो यह काफी स्पष्ट होता है।

तो, तकनीकी रूप से उनकी राजधानी सामरिया है, लेकिन वे बहुत समय यिज्जेल में बिताते हैं। वहाँ गर्मी ज़्यादा है। और यह बहुत मायने रखता है।

अच्छा, धन्यवाद। हम कैसे हैं? मुझे लगता है कि आज मैं बहुत ज़्यादा सो रहा हूँ। आप जानते हैं, कुछ लोगों के लिए, ज्ञान साहित्य इतिहास से कहीं ज़्यादा आकर्षक होता है।

लेकिन इतिहास में हमारे लिए बहुत कुछ है। अब हम अंतरराष्ट्रीय राजनीति की बात करते हैं।

कुछ और बातें हैं जो आपको जानने की ज़रूरत है। वैसे, यह सिर्फ पुराने नियम के समानांतरों में जो आप पढ़ रहे हैं, उसका उपयोग करना है। तो, इन छोटे-छोटे कनेक्शनों को बनाएँ।

सीरिया पर बेन-हदद नाम के एक व्यक्ति का शासन है। आप उसके बारे में पाठ में पढ़ते हैं। पहले राजा 20 में बेन-हदद का उल्लेख है।

यह एक महत्वपूर्ण नाम होने जा रहा है। यह एक वंशवादी नाम लगता है। संभवतः इनमें से एक से ज़्यादा लोग होंगे।

बेन का मतलब है बेटा। तो, यह हदद का बेटा है। हदद बाल या बाल का एक और भाषाई समानांतर है।

तो जाहिर है कि उनके शासक व्यक्ति का नाम उनके ईश्वर के नाम से जुड़ा हुआ है। आप इसे इस्राएलियों के नामों में भी देख सकते हैं। अविआह, अबियाह।

अविआह का मतलब है यहोवा मेरा पिता है। हम आगे जाकर कुछ अन्य अर्थ भी देख सकते हैं। खैर, एक और अर्थ जो हम नोट करना चाहते हैं वह यह है कि असीरिया मेसोपोटामिया में एक और देश महाशक्ति है।

सीरिया से भ्रमित न हों। और यहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, भू-राजनीतिक रूप से, हमारे प्रमुख व्यक्तियों में से एक शालमनेसर III नामक व्यक्ति होने जा रहा है। आप कुछ ऐसे पाठ पढ़ने जा रहे हैं जो शालमनेसर III से पुराने नियम के समानांतर हैं।

मैं चाहता हूँ कि आप इस बात पर ध्यान दें कि मैंने यहाँ क्या लिखा है। उसने अहाब का ज़िक्र किया है, अहाब ओम्री का बेटा था। शालमनेसर III ने येहू का भी ज़िक्र किया है, जो एक और उत्तरी राजा था, जिसका ज़िक्र हम इस हफ़्ते बाद में करने जा रहे हैं।

इससे हमें यह पता चलता है कि भले ही ये लोग वाकई बहुत दुष्ट राजा थे, और अगर आपको अभी तक यह नहीं पता है, तो आप पाठ पढ़ने के बाद जान जाएँगे। क्षैतिज स्तर पर, वे अच्छे लगते हैं। आप जानते हैं, बाकी देश उन्हें पहचानते हैं।

अहाब और ओम्री का उल्लेख इस पुस्तक के बाहर के ग्रंथों में किया गया है क्योंकि उनके राज्य थोड़े अधिक शक्तिशाली, बड़े और अधिक विश्वव्यापी हैं। लेकिन यह बात परमेश्वर को ज़्यादा पसंद नहीं आती।

1 राजा 16 में अहाब के बारे में बहुत ही घटिया शब्द कहे गए हैं। हम सीखते हैं कि वह अब तक का सबसे बुरा राजा था। ठीक है? खैर, फिर, अंत में, दूसरी बात जो हमें अंतर्राष्ट्रीय चीजों के संदर्भ में कहने की ज़रूरत है, वह शायद एलिय्याह कथा के साथ जो कुछ सामने आ रहा है, उसके संदर्भ में हमारी कुंजी है, और वह है फ़ीनीशिया, जिसका मैंने अभी कुछ क्षण पहले उल्लेख किया था।

अब, जब हमने न्यायियों की पुस्तक के बारे में बात की थी, तब हमने बाल के बारे में बात की थी। तो, आइए हम खुद को याद दिलाएँ कि यहाँ वास्तव में क्या हो रहा है। जैसा कि मैंने उल्लेख किया है, बाल देवताओं का राजा है।

आपके पास एल है, लेकिन फिर आपके पास बाल है, और आपके पास अनात है, और आपके पास कुछ अन्य हैं, और कुछ अन्य, इस कनानी देवता समूह में कई अन्य हैं। लेकिन वह उन प्रमुख प्रमुख प्रकारों में से एक है। और वह उस क्षेत्र में रहने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए इतना महत्वपूर्ण है, इसका कारण मैंने अभी बोर्ड पर बताया है।

बाल बारिश, तूफ़ान और गरज को नियंत्रित करता है। क्या आपको याद है कि उपजाऊ अर्धचन्द्राकार क्षेत्र का यह दक्षिण-पूर्वी, क्षमा करें, दक्षिण-पश्चिमी किनारा अपनी आजीविका के लिए पूरी तरह से बारिश और तूफ़ान पर निर्भर है? भूमध्य सागर से आने वाले सभी तूफ़ान ही उनके लिए कृषि उत्पादकता को बढ़ाते हैं। अगर उनके पास बारिश नहीं है, तो यह अलविदा है क्योंकि उनके पास काम करने के लिए नदियाँ नहीं हैं।

इसलिए, यह बहुत महत्वपूर्ण था और लोगों के लिए एक अविश्वसनीय प्रलोभन था कि वे उन चीजों को करने की कोशिश करें जो बाल को प्रभावित करेंगी, ताकि बाल बारिश लाए, वगैरह, वगैरह, वगैरह। और अगर आपको नहीं लगता कि समकालीन समानताएँ नहीं हैं, तो फिर से सोचें। हम भगवान को प्रभावित करने की कोशिश करने के लिए हर तरह की चीजें करते हैं ताकि हम वह काम कर सकें जो हम चाहते हैं।

इस मामले में मूर्तिपूजा का पाप, ठीक है, स्पष्ट रूप से वे हैं, और हमने इस पैटर्न को बार-बार देखा है, अपने ऊपर ईश्वर के शासन को अस्वीकार करना और बाल को वही करने के लिए

मजबूर करना जो वे बाल से करवाना चाहते हैं, अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए। यह बहुत ही स्वार्थी किस्म की बात है। तो ये हमारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति है, और जैसा कि हमने पहले कहा है, दुनिया के इस हिस्से में राजनीति हमेशा धर्म से जुड़ी होती है।

ठीक है, इस बात को नज़रअंदाज़ मत करना। एक और भयानक चीज़ है नाम और तारीखों वाला चार्ट। ओह, भगवान न करे।

जब हम इतिहास में वापस जाएंगे तो हमें कुछ नाम और तारीखें पता चलेंगी। मैं चाहता हूँ कि आप इस बारे में देखें। हम इसे आगे बढ़ाएंगे।

हर दिन, हम इसमें थोड़ा और जोड़ते जा रहे हैं। ठीक है, लेकिन अब हम शुरुआत कर रहे हैं। ऐसी बहुत सी तारीखें नहीं हैं जो मैं आपको बताना चाहता हूँ, लेकिन यह एक तारीख है जो मैं आपको बताना चाहता हूँ।

राज्य में विभाजन। आप इसे किसको पढ़ते हैं, इस पर निर्भर करते हुए, यह 933 हो सकता है, यह 931 भी हो सकता है, लेकिन आप जानते हैं कि यह काफी करीब है, है न? 931 में, आपके पास उत्तरी दस राज्यों का अलगाव है, अगर आप चाहें तो, पूरे संघ से। नेबात का बेटा यारोबाम, शासक व्यक्ति बनने जा रहा है।

उसने पहला राजवंश शुरू किया। रंग में ये नाम राजवंशीय नाम हैं। तो, यारोबाम हमारा पहला राजवंश था।

बाशा दूसरा राजवंश बनने जा रहा है। ओमरी तीसरा राजवंश बनने जा रहा है। भगवान की इच्छा से हम अगली बार एक और राजवंश जोड़ेंगे।

ठीक है? तो यही पहली बात है जिसे हम ध्यान में रखना चाहते हैं। उन वंशवादी नामों को जानें। ध्यान दें कि यह कितनी जल्दी पलट जाता है।

और जैसा कि आपने पंक्तियों के बीच पढ़ा है, आपको पंक्तियों के बीच पढ़ने की ज़रूरत नहीं है। आप इन पंक्तियों के बीच पढ़ते हैं। आप जानते हैं, ये लोग बहुत लंबे समय तक नहीं टिकते। ज़िमरी, ठीक है, वह एक हज़ार डॉलर तक टिकता है... क्या आप जानते हैं कि वह शासक के रूप में कितने समय तक टिकता है? ट्रेवर? ओह, उससे भी कम।

और भी कम, क्रिस। सात दिन। सात दिन।

दूसरे शब्दों में, चीजें अविश्वसनीय रूप से उथल-पुथल, उथल-पुथल और अशांत चीजों में चल रही हैं। और इसलिए जब ओमरी ने कार्यभार संभाला, तो यह उत्तरी राज्य में अविश्वसनीय रूप से असंतोष और झगड़े के समय के बाद हुआ। ओमरी और अहाब कुछ स्थिरता स्थापित करेंगे।

हम शायद अगली बार इस बारे में और अधिक देखेंगे। अब, आइए कुछ भविष्यसूचक नामों पर नज़र डालें और कुछ बातों को सही जगह पर लाने का प्रयास करें। अहिय्याह वह व्यक्ति है

जिसने वास्तव में, याद रखें, उस वस्त्र को फाड़ दिया था, और उसके पास यारोबाम और यारोबाम की पत्नी से यारोबाम के बेटे के बारे में कहने के लिए कुछ और बातें होंगी।

हम थोड़ी देर बाद परमेश्वर के आदमी के बारे में बात करने जा रहे हैं। वह वास्तव में दक्षिण से है, लेकिन वह उत्तर की ओर भविष्यवाणी करने जा रहा है। मैं व्याख्यान में शमायाह का उल्लेख नहीं करूँगा, लेकिन बस इतना जान लीजिए कि वह वहाँ है।

हनानी महत्वपूर्ण है, और निश्चित रूप से एलियाह हमारा प्रमुख व्यक्ति है। आज, हम रेहोबाम, अबियाह, आसा के माध्यम से दक्षिणी राजाओं के संदर्भ में अपना रास्ता बनाने की कोशिश करने जा रहे हैं, और यही वह सब होगा जो हम दक्षिण के लिए करेंगे। हम यहोशापात को अगली बार के लिए बचाएंगे, और हमने पहले ही उन विदेशी प्रभावों को नोट कर लिया है जो इस समय अवधि के दौरान सबसे महत्वपूर्ण हैं।

फिर से, यह चार्ट विभाजित राज्य काल में आगे बढ़ने के साथ बढ़ता रहेगा। खैर, आइए इस बारे में थोड़ी बात करें कि राज्य के इस विभाजन में क्या होता है। रहूबियाम के निर्णय में क्या गलती थी? उसने क्या गलत किया, रेबेका? हाँ।

जब रहूबियाम राजा बनता है, तो वह एक तरह से चतुर होता है। वह शेकेम चला जाता है। वह यरूशलेम में नहीं रहता।

वह शेकेम जाता है, लेकिन फिर वहाँ के लोग उससे अपील करने आते हैं और कहते हैं, तुम्हारे पिता सुलैमान ने हमारा जीवन बहुत कष्टमय बना दिया है। कर, जबरन मजदूरी, क्योंकि, बेशक, सुलैमान मंदिर का निर्माण कर रहा था, और उसमें कर और जबरन मजदूरी आदि शामिल है। और इसलिए लोग सुलैमान के बेटे से अपील कर रहे हैं।

और जैसा कि रेबेका ने कहा है, रहूबियाम उन बुजुर्गों से सलाह लेता है जो कहते हैं, तुम दयालु क्यों नहीं हो? वह उन युवाओं से सलाह लेता है जो कहते हैं, कठोर बनो। और, बेशक, वह बाद वाले के साथ जाता है, और इससे उत्तरी जनजातियाँ दूर हो जाती हैं, और यह प्रभु की ओर से है। लेकिन ध्यान दें कि इस प्रक्रिया में रहूबियाम भी कैसे शामिल है।

वह इस मामले में सिर्फ एक नासमझ मोहरा नहीं है। वह गलत चुनाव करता है। खैर, दुर्भाग्य से, यारोबाम ने वही किया जो मैंने आपको पहले ही बता दिया है।

और फिर, मुझे पता है कि यह कुछ लोगों को आपत्तिजनक लग सकता है, लेकिन असल में यही बात है। वह इसे उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने की कोशिश कर रहा है। और चीजों को थोड़ा बहुत उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने में खतरे हैं।

जब आप इस पर 1 राजा और 1 इतिहास दोनों को एक साथ रखते हैं, तो हम देखते हैं कि ये चीजें घटित हो रही हैं। और ये परमेश्वर ने वाचा में जो कहा है उसका पूर्ण रूप से अपमान है। केवल हारून के परिवार के सदस्य, जो एक लेवी थे, को ही पुजारी बनना था।

यारोबाम किसी भी व्यक्ति को पुजारी नियुक्त करता है जो पुजारी बनना चाहता है, है न? अब, आपको याद होगा कि गिनती अध्याय 16 में, हमने कोरह के पूरे परिवार को इस तरह का निर्णय लेने के परिणामस्वरूप मरते हुए देखा था। इसलिए, हम जानते हैं कि यह गलत है। उसने बेथेल और दान में सोने के बछड़े स्थापित किए।

इस बारे में पहले ही बात हो चुकी है। इतिहास में यह भी उल्लेख है कि वह बकरे की मूर्तियाँ स्थापित करता है। तो, यहाँ कुछ मूर्तिपूजा फैल रही है।

और फिर वह यह कहने की हिम्मत करता है कि, ये तुम्हारे देवता हैं जो तुम्हें मिस्र से बाहर लाए हैं। यह ईशनिंदा है। फिर से, यह दस आज्ञाओं में से पहले तीन का उल्लंघन है।

यह त्यौहार आठवें महीने में है; इसमें क्या गलत है? यह त्यौहार, पतझड़ का त्यौहार कब मनाया जाना चाहिए था? सातवें महीने में, है न? झोपड़ियों का त्यौहार, जब उन्हें यरूशलेम जाना था और वे सभी अद्भुत चीजें। वह इसे आठवें महीने में स्थापित करता है।

बहुत सुविधाजनक है। अरे, तुम लोग अभी तक वहाँ नहीं पहुँचे? कोई बात नहीं। बस यहाँ आ जाओ।

एक महीने बाद की बात है। कोई बड़ी बात नहीं। इस स्थान पर पूजा करने के लिए भी कुछ सामान है।

खैर, जैसा कि मैंने आपको बताया, वफादार लोग दक्षिण की ओर चले गए। उन्हें बेहतर पता था। और इसमें उल्लेख किया गया है कि विभिन्न जनजातियों के लोग हैं, न केवल लेवियों जो वास्तव में इससे असंतुष्ट हैं, बल्कि अन्य लोग भी दक्षिण की ओर जाते हैं।

अब, एक और बात ध्यान देने योग्य है, और फिर से, मुझे पता है कि जब मैं यह कहता हूँ तो मैं उपदेश दे रहा हूँ, लेकिन यारोबाम के इस तरह से बच निकलने का एक कारण वही बात है जो हमने न्यायियों की पुस्तक के अंत में देखी थी। वाचा साक्षरता की बहुत कमी थी। लोगों को वाचा की शर्तों या नियमों के बारे में पता नहीं था, और इसलिए, यह शायद बहुत अच्छा लग रहा था।

और फिर, यह आसान था। दोस्ताना। और, ज़ाहिर है, आज भी हमारे सामने ऐसी ही समस्या है।

अगर लोग बाइबल नहीं जानते हैं, तो ऐसी बहुत सी चीज़ें हैं जो ठीक लगती हैं क्योंकि उनमें इस बात का आवरण है कि यह क्या है। खैर, उस संदर्भ में... हाँ, रेबेका, आगे बढ़ो। ठीक है, दूसरे शब्दों में, रेहोबाम और यारोबाम कौन हैं? रेहोबाम सुलैमान का बेटा है, ठीक है? सुलैमान के कई बेटे हैं, लेकिन रेहोबाम ही वह है जो सुलैमान के बाद राजा बनने वाला है।

इसलिए वह दाऊद वंश में है। नेबात का बेटा यारोबाम वह पात्र है जो 1 राजा 11 में पहले से ही सुलैमान के खिलाफ विद्रोह कर रहा था और फिर उसे मिस्र भागना पड़ा। सुलैमान के मरने के बाद यारोबाम वापस आता है क्योंकि वह जानता है कि उसका समय आ गया है।

तो, वह उत्तरी राज्य से कोई होगा, जो उत्तरी राजा होगा। रहूबियाम दक्षिण में है। हाँ, रहूबियाम दक्षिण में है, यारोबाम उत्तर में है।

तो, इस समय यारोबाम के पास बड़ा, ज़्यादा शक्तिशाली, ज़्यादा प्रभावशाली राज्य है, लेकिन रहूबियाम के पास दाऊद का राजवंश और यरूशलेम और यहूदा का गोत्र है। इसका मतलब यह नहीं है कि रहूबियाम परिपूर्ण है। उसके पास अपनी खुद की समस्याएँ भी हैं, जैसा कि हम अध्याय 14 को पढ़ते हुए देखते हैं।

हाँ, अच्छा सवाल है। अगर आपके पास अपना पाठ है, तो मैं अध्याय 13 में यहूदा के उद्यम से परमेश्वर के इस आदमी के कुछ अंश पढ़ना चाहता हूँ। प्रभु के वचन से, यहूदा से परमेश्वर का एक आदमी यारोबाम के रूप में बेथेल आया... क्या आप इस पर ध्यान दे रहे हैं? कोई पुजारी नहीं... बलि चढ़ाने के लिए वेदी के पास खड़ा था।

वैसे, इस अध्याय में, अगर आपने इसे पढ़ा है, अगर नहीं पढ़ा है, तो इसे पढ़ें। यह एक दिलचस्प अध्याय है। लेकिन इस अध्याय में, दो व्यक्ति हैं जो भविष्यद्वक्ता के रूप में सेवा कर रहे हैं।

क्या आपने देखा कि उनमें से किसी का भी नाम नहीं है? यहूदा से परमेश्वर का एक आदमी है। हम उसके बारे में थोड़ी देर में और बात करेंगे। और बेथेल से एक बूढ़ा भविष्यवक्ता भी है जिसका नाम नहीं है।

संभवतः... क्योंकि नाम बताना सम्मान की बात है। संभवतः पाठ उन्हें गुमनाम रख रहा है क्योंकि वे दोनों वास्तव में अवज्ञाकारी हैं और ऐसी चीज़ें कर रहे हैं जो पूरी तरह से दिखावा हैं। लेकिन आइए देखें कि आगे क्या होता है।

परमेश्वर का जन आता है, और वह बेतेल में, जहाँ सोने का बछड़ा है, कहता है, हे वेदी, वेदी, यह वही है जो परमेश्वर कहता है। दाऊद के घराने में योशियाह नाम का एक बेटा पैदा होगा। वह तुम्हारे ऊपर ऊँचे स्थानों के याजकों की बलि चढ़ाएगा।

और वह वहाँ मानव हड्डियों को जलाने जा रहा है। और वहाँ एक संकेत होने जा रहा है। श्लोक 3, वेदी को अलग कर दिया जाएगा और उसकी राख को बाहर फेंक दिया जाएगा।

खैर, बस कुछ बातें कहनी हैं। क्या आपको पता है कि योशियाह कब दृश्य में आएगा? यह आगे चलकर एक फर का टुकड़ा होगा। योशियाह लगभग 625 ईसा पूर्व तक दिखाई नहीं देगा।

हाँ, ईसा पूर्व। यह लगभग 300 साल बाद की बात है। अब, जब आपके पास इतनी लंबी अवधि की भविष्यवाणी है, तो कोई कैसे जान पाएगा? ये सभी लोग 300 साल बाद उस समय तक जीवित और मृत हो चुके होंगे।

जब आप भविष्यवाणियों के साथ मिलकर कोई संकेत देते हैं, तो संकेत कुछ ऐसा होता है जो कालानुक्रमिक रूप से करीब से घटित होता है ताकि ये लोग जान सकें कि लंबी अवधि की

भविष्यवाणी भी सच होने जा रही है। क्या यह समझ में आता है? संकेत सच होता है। वेदी विभाजित होती है।

राख बाहर गिरती है। और दिलचस्प बात यह है कि एक दूसरा संकेत भी है क्योंकि यारोबाम इससे थोड़ा परेशान है। वह अपना हाथ आगे बढ़ाता है और उसका हाथ सूख जाता है।

और फिर यहूदा से परमेश्वर का यह आदमी प्रार्थना करता है, और यह फिर से ठीक हो जाता है। लेकिन वे दो चीजें जो उस स्थान पर हैं जिन्हें लोग देख सकते हैं जब वे पूरी होती हैं जो इस तथ्य का संकेत है कि योशियाह नामक व्यक्ति के बारे में दीर्घकालिक भविष्यवाणी, जो फिर से लंबे समय तक दिखाई नहीं देती है, वह भी होने जा रही है। इसे ध्यान में रखें क्योंकि यह एकमात्र स्थान नहीं है जहाँ हम संकेत, भविष्यसूचक संकेत देखने जा रहे हैं।

तो, उस पर टिके रहो। यह महत्वपूर्ण है। किसी भी हालत में, यह खुल जाता है और फिर यारोबाम अस्थायी रूप से मारा जाता है।

तो, वह कहता है, तुम मेरे साथ घर क्यों नहीं आते? और अनाम भविष्यवक्ता, यहूदा से परमेश्वर का आदमी कहता है, नहीं, ऐसा नहीं कर सकते। मुझे बताया गया था कि योशियाह को यहाँ खाना नहीं खाना चाहिए और जिस रास्ते से मैं आया था, उसी रास्ते से वापस नहीं जाना चाहिए। मुझे जाना पड़ा।

और फिर क्या होता है? बेथेल से एक बूढ़ा भविष्यवक्ता आता है। मैं आपको पढ़कर सुनाता हूँ। मैं श्लोक 18 में हूँ।

और वैसे, ध्यान दें कि वह बेथेल से है। अगर आप ध्यान से पढ़ रहे हैं, तो आपके एंटेना इस समय लहरा रहे होंगे। सोने का बछड़ा स्थापित होने के बाद इस आदमी को क्या करना चाहिए था? शायद उसे फटकार के कुछ शब्द बोलने चाहिए थे, है न? यहाँ एक सुनहरा बछड़ा है।

यहाँ यारोबाम कह रहा है, यह तुम्हारा पूरा नया धर्म है। और वहाँ एक नबी है। और यह सब उसके क्षेत्र में हो रहा है।

और वह कुछ भी नहीं बोल रहा है। या कम से कम हमें नहीं पता कि वह बोल रहा है। अब, यहूदा से कोई आता है।

कोई ऐसा व्यक्ति जिसने दुश्मन की सीमा पार करने का साहस किया हो, अगर आप चाहें, और यह घोषणा करें। पुराना भविष्यवक्ता शायद, खैर, आप जानते हैं, शर्मिदा, शर्मिदा और अब शायद चुनौती का मिश्रण है। देखो वह क्या करता है।

पद 18. जैसा तू भविष्यवक्ता है, वैसा मैं भी भविष्यवक्ता हूँ। और एक स्वर्गदूत ने यहोवा के वचन के द्वारा मुझ से कहा, कि उस मनुष्य को अपने साथ अपने घर ले आ, कि वह रोटी खाए, और पानी पीए।

लेकिन वह उससे झूठ बोल रहा था। और मैं आपको सुझाव देता हूँ कि झूठ इसलिए बोल रहा है क्योंकि यह पैगंबर, आप जानते हैं, वह अंदर से परेशान और निराश है और उसे शर्मिंदा किया गया है। और इसलिए, कुरूपता के एक क्षण में, वह इस युवा लड़के को पाने के लिए बाहर है।

और वह ऐसा करता भी है। क्योंकि यहूदा से परमेश्वर का जन अलग हो जाता है, इसलिए वह उसके साथ खाता-पीता है।

दुर्भाग्य से, और फिर पुराने भविष्यवक्ता कहते हैं, श्लोक 21. यह वही है जो प्रभु कहते हैं।

तुमने यहोवा के वचन की अवहेलना की, और तुमने यहोवा तुम्हारे परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया। तुम वापस आए और उस स्थान पर रोटी खाई और पानी पिया जहाँ उसने तुम्हें ऐसा न करने के लिए कहा था। और इसलिए, तुम मरने जा रहे हो।

तो, उन दोनों ने भगवान की आज्ञा का उल्लंघन किया है। बेशक, जब युवक जा रहा था, तो उसे सचमुच शेर ने मार डाला। बूढ़े आदमी के बेटे बूढ़े आदमी को बताते हैं कि यह मामला है।

वे इस युवा भविष्यवक्ता को दफनाते हैं, जो यहूदा से परमेश्वर का आदमी था। और बूढ़ा भविष्यवक्ता इतना दोषी है कि वह कहता है, जब मैं मर जाऊँ, तो कृपया मेरी हड्डियों को उसके साथ दफना देना। लेकिन कहानी के प्रभाव पर ध्यान दें।

इस संदर्भ में - किसी भी संदर्भ में - आज्ञाकारिता अत्यंत आवश्यक है और उनमें से कोई भी इसमें बहुत अच्छा नहीं था।

ठीक है। तो, यहूदा के परमेश्वर के आदमी का भाग्य। हम पहले ही इस बारे में बात कर चुके हैं।

और मैंने एक सुझाव दिया है। फिर से, मैं पंक्तियों के बीच थोड़ा पढ़ रहा हूँ, लेकिन मैंने एक सुझाव दिया है कि क्यों पुराने पैगंबर इस बिंदु पर इतने जघन्य रूप से धोखेबाज हो सकते हैं। मेरा सुझाव है कि उनका अपना गौरव कुचला गया है।

बदसूरत बात। खैर, दुखद निष्कर्ष यह है कि इन सबके बावजूद, यारोबाम अपने तौर-तरीके नहीं बदलता। वह आगे बढ़ता है और सभी झूठे धर्मों की स्थापना करता है, और यह उत्तरी राज्य के बाकी अस्तित्व के लिए एक फंदा बना हुआ है।

खैर, यह राज्य में विभाजन है। हमें धर्मत्याग और कुछ ऐसी चीजों पर थोड़ा ध्यान देने की ज़रूरत है जो चल रही हैं। जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा और जैसा कि 1 राजा 14 हमें बताता है, रहूबियाम ने बहुत अच्छी शुरुआत की, लेकिन फिर वह वास्तव में लड़खड़ा गया।

अशेरा स्तंभ स्थापित करें। यह एक बहुत अच्छी आध्यात्मिक विरासत नहीं है।

लेकिन फिर से, यह लोगों से अपील कर रहा है कि, ठीक है, बाकी संस्कृति यही कर रही है। हमारे आस-पास के लोग यही कर रहे हैं। यह उद्धरण बिना उद्धरण के काम करता हुआ प्रतीत होता है।

और इसलिए वे इसके झांसे में आ जाते हैं। उत्तर की ओर भी ऐसी ही चीजें हो रही हैं। और वैसे, हमने अभी-अभी सज़ा के बारे में बात की है कि फिरौन शिशक ने आक्रमण किया और हमारे पास शिशक का सामान है।

मिस्र के ग्रंथों में उसे शिशक कहा गया है। यह वही व्यक्ति है जो यहूदा इसराइल पर आक्रमण करने की बात कर रहा है। यारोबाम का राजवंश भी बहुत पहले ही समाप्त हो गया।

उनके बेटे अबिय्याह की मृत्यु हो जाती है। उनके बेटे नादाब की हत्या कर दी जाती है। बहुत छोटा राजवंश।

अब हम आगे बढ़ने जा रहे हैं। अब आप जानते हैं, और यहाँ से हम दक्षिण के लिए S और उत्तर के लिए N की शुरुआत करते हैं। प्रथम राजा 15 में दो बहुत ही अलग तरह की चीज़ों का वर्णन किया गया है।

आसा, शायद आप इसे आसा उच्चारण करते हैं। मैं दोनों ही शब्दों का इस्तेमाल करूँगा ताकि हम दोनों ही बातों पर ध्यान दे सकें। आसा, दाऊद की वंशावली में एक अच्छा राजा है।

जो सही है वही करता है। मुझे पता है कि मैंने दक्षिणी राजा अबिय्याह को छोड़ दिया है, लेकिन उसके बारे में चिंता मत करो, ठीक है? हम आसा पर आ गए हैं क्योंकि वह काफी महत्वपूर्ण है। और जैसा कि मैंने आपके लिए कुछ चीज़ें नोट की हैं जो वह कर रहा है।

रहूबियाम के शासनकाल में स्थापित की गई मूर्तियों से छुटकारा पाना। बस उस सामान को हटाना है। जब आप इतिहास पढ़ते हैं, तो इतिहास समानांतर रूप से, हम यह भी पाते हैं कि उसने कुशी नामक ज़ेरह नामक व्यक्ति के खिलाफ़ एक उल्लेखनीय जीत हासिल की थी।

कुश मिस्र के दक्षिण में स्थित एक पूरा क्षेत्र है और हमें बताया गया है कि वहाँ एक राक्षसी आक्रमणकारी सेना आ रही है। बहुत बड़ी आक्रमणकारी सेना। कुछ ऐसा जिसका वे खुद सामना नहीं कर सकते।

और फिर भी, ईश्वर की मदद से, आसा, जो सीधे ईश्वर से अपील करता है, शेफेला क्षेत्र में इन लोगों का सामना करने में सक्षम है, यरूशलेम के दक्षिण और पश्चिम में निचले इलाकों को याद करते हुए। यहीं पर युद्ध होता है। आसा की प्रशंसा की जाती है क्योंकि उस संदर्भ में वह प्रभु पर निर्भर था।

और पैगम्बर आकर उससे कहते हैं कि यह बहुत बढ़िया है। तुमने जो किया वह सही है। शाबाशी।

बधाई हो। भगवान का शुक्र है। यह एक अच्छी बात है।

लेकिन फिर, जैसा कि हम अक्सर अगली बार करते हैं, उसे धमकी दी जाती है, और इस बार कुशाइट साम्राज्य की एक बड़ी सेना से नहीं, इस बार उत्तर की ओर से एक युद्धाभ्यास से। है न? क्या यह दिलचस्प नहीं है? बड़ी चीजों के लिए वह भगवान पर निर्भर था। छोटा खतरा सोचता है कि वह अपने दिमाग और कूटनीति का उपयोग करके इसे प्राप्त कर सकता है, लेकिन यह एक बड़ी गलती है।

लेकिन यहाँ क्या होता है। फिर से, अगर आपको इसे देखने का मौका नहीं मिला है तो वापस जाकर 1 राजा 15 में पढ़ें। बाशा राजा बन जाता है।

दूसरा राजवंश। वह अपने आप से सोचता है, ठीक है, चलो दक्षिण की ओर चलते हैं और रामा पर कब्ज़ा कर लेते हैं। और तुम ऐसा सोच रहे हो? एक बार जब वह रामा पर कब्ज़ा कर लेता है, तो वह यरूशलेम के अंदर और बाहर यातायात पर नियंत्रण पा लेता है।

यह यरूशलेम का गला घोट रहा है। यह दक्षिणी राज्य का गला घोट रहा है। यह उसके लिए जीवन को वास्तव में दयनीय बना रहा है।

उसने सीमा को अब बेंजामिन तक धकेल दिया है। खैर, अपने घुटनों पर बैठकर भगवान से प्रार्थना करने के बजाय, बाशा क्या करता है? वह कूटनीति का उपयोग करता है। यहाँ बड़ी शक्ति कौन है? यह कहीं बहुत ऊपर है।

सीरिया। बेन-हदाद। उन्हें याद है? और बाशा मूल रूप से कहता है कि मुझे लगता है कि मैं उन्हें बस भुगतान कर दूंगा।

वे वाकई मददगार साबित होंगे। वे आकर उत्तरी राज्य पर उत्तर से हमला कर सकते हैं। इससे मेरी गर्दन से सारी सैन्य ताकत हट जाएगी और मैं यहाँ सैन्य रूप से जो कुछ भी करना चाहता हूँ, उसे करने के लिए स्वतंत्र हो जाऊंगा।

और इसलिए, वह ऐसा करता है। बेन-हदाद हमला करता है, उत्तर की ओर कुछ बहुत महत्वपूर्ण स्थानों पर कब्ज़ा करता है, वह उन्हें प्रथम राजा 15 में आक्रमण मार्ग का नाम देता है, और बाशा, अपने स्वभाव के अनुसार, खुद को हटा लेता है। वे ऊपर जाते हैं और लड़ते हैं, और आसा कहता है कि हा, यह मेरा मौका है। वह मिट ज़पाह को मजबूत करता है, वह गेबा को मजबूत करता है और ध्यान देता है कि वह यहाँ इस बहुत महत्वपूर्ण चौराहे के क्षेत्र की रक्षा कर रहा है।

क्या यह बात प्रभु को अच्छी लगी? यह कोई आसान सवाल नहीं है, है न? नहीं। पैगम्बर उसके पास वापस आता है और कहता है कि तुमने बहुत बड़ी गलती की है। तुमने कुशियों के खिलाफ प्रभु पर भरोसा किया; तुम्हें यहाँ भी ऐसा ही करना चाहिए था।

भविष्यवक्ता का नाम हनानी है। आप इसके बारे में सब कुछ पढ़ सकते हैं। इतिहास में राजाओं की तुलना में इस बारे में ज़्यादा विस्तार से बताया गया है। इसलिए इतिहास की समानताएँ यहाँ महत्वपूर्ण हैं।

खैर, इस पर इतना ही काफी है। हाँ, कैटलिन? यह उसी तरह का पैटर्न है जो हमने विजय के समय देखा था, यहोशू और इस्राएलियों ने गिबोनियों के आने पर प्रभु से सलाह लेने के बजाय, बस देखा कि ठीक है, फफूंद लगी रोटी, घिसे हुए जूते, चलो एक संधि करते हैं। मैं यह बिल्कुल नहीं कह रहा हूँ कि अपने दिमाग का इस्तेमाल करना गलत है, ऐसा नहीं है।

लेकिन उन्होंने इन बातों पर परमेश्वर के सुझावों को नज़रअंदाज़ कर दिया। उस पूरी स्थिति में यहोशू के अधीन ऐसा किया गया, जिसका मतलब था कि उन्हें आने वाली सदियों तक गिबोनियों के साथ रहना पड़ा, जिसमें सबसे कम महत्वपूर्ण बात यह थी कि गिबोनियों ने शाऊल के वंशजों से उन्हें मार डालने की मांग की। यहाँ भी वही होने वाला है।

मूलतः, आसा को इस संदर्भ में प्रभु से परामर्श करना चाहिए था और फिर वहीं से आगे बढ़ना चाहिए था। यही भविष्यवाणी है। हाँ, रेबेका।

राम ही वह है जिसे वह जाकर पकड़ लेता है और लेना शुरू कर देता है और जब वह उसे पा लेता है, तो वह चौराहे पर पहुँच जाता है। यह सड़क सबसे अच्छी नहीं है। इसे सीधे राम से होकर जाना चाहिए।

रामा वहीं है जहाँ चौराहा है। यही तो बाशा करने की कोशिश कर रहा है। एक बार जब वह अपनी उत्तरी सीमाओं की रक्षा के लिए चला जाता है, तो आसा बहुत ही चतुराई से उन दोनों, मिज़पा और गेबा को मजबूत कर देता है।

जब बाशा मेरे पीछे के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है, तो मुझे क्या करना चाहिए, इस बारे में भगवान से सलाह लेने के बजाय, वह बस यह सारी कूटनीति करता है और बेन-हदाद को भी पैसे देता है। मेरा मतलब है, यह इसका दूसरा पहलू है। वह एक विदेशी, अधर्मी, हम कहें, इकाई, राजनीतिक इकाई के साथ गठबंधन कर रहा है।

खैर, मुझे लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। ओमरी राजवंश। बाल की पूजा कोई नई बात नहीं है, लेकिन ओमरी का एक बेटा है।

उसका नाम अहाब है। अहाब किससे शादी करता है? उसका नाम जे से शुरू होता है, इज़ेबेल। इज़ेबेल एक फोनीशियन महिला है, एक फोनीशियन दुल्हन।

वह कोई दीवार पर फूल लगाने वाली भी नहीं है। वह जिस तरह की चीजें करती है और जो क्रूरताएं करती है, उसके हिसाब से वह एक बहुत ही बदसूरत महिला है। और जैसा कि मैंने आपको बताया, अहाब के साथ उसका इरादा बाल की पूजा को राज्य धर्म बनाना है।

और इसका कुछ दीर्घकालिक प्रभाव होने वाला है। किसी भी हालत में, बाशा का राजवंश समाप्त हो जाता है, इल की हत्या कर दी जाती है, और जैसा कि हमने कहा है, ज़िमरी सात दिनों तक शासन करता है। उत्तर में पूरी तरह अराजकता फैल जाती है।

और फिर ओमरी, जो एक जनरल है, वह सेना में एक कमांडिंग जनरल है, सत्ता संभालने जा रहा है। यह एक सैन्य तख्तापलट है। मूल रूप से यही हो रहा है।

वहाँ गृहयुद्ध चल रहा है। वह सत्ता संभालता है और एक तरह से व्यवस्था लाता है और वह वही है जो राजधानी को सामरिया में ले जाने वाला है। ऐसा करके, जैसा कि मैंने पहले ही कहा है, वह पूरे उत्तरी राज्य को फीनिशिया और विशेष रूप से धार्मिक प्रभाव के लिए खोल रहा है।

अहाब ने इज़ेबेल से विवाह किया। वे भगवान को अस्वीकार करके बाल के पक्ष में चले गए, जो वर्षा, गरज, कृषि उत्पादकता का देवता है, और निश्चित रूप से यह एलिय्याह के लिए मंच तैयार करता है। अध्याय 17, पद 1. एलिय्याह तिशबी, जो बिना किसी पृष्ठभूमि के दृश्य में अचानक आता है।

वह जॉर्डन के उस पार से है। गिलाद जॉर्डन के पूर्वी किनारे पर है। और वह अहाब के पास आता है और कहता है, इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के जीवन की शपथ, जिसकी मैं सेवा करता हूँ, अगले कुछ वर्षों में मेरे वचन के बिना न तो ओस पड़ेगी और न ही बारिश होगी।

और, बेशक, हम जानते हैं कि यह साढ़े तीन साल है। जेम्स की किताब दिलचस्प है; हम अभी इसे नहीं देखेंगे, लेकिन अध्याय 5 में बताया गया है कि कैसे एक धर्मी व्यक्ति की उत्कट प्रार्थना बहुत कुछ हासिल करती है। मेरा मतलब है, यह एक सच्चाई है जिसे हम जानते हैं।

एक धर्मी व्यक्ति की उत्कट प्रार्थना प्रभावशाली होती है। लेकिन फिर याकूब अपने उदाहरण के रूप में एलिय्याह का उपयोग करता है, जैसा कि याकूब आगे कहता है, जिसने प्रार्थना की, और साढ़े तीन साल तक बारिश नहीं हुई। और फिर, बेशक, जैसा कि हम एक पल में देखेंगे, वह फिर से प्रार्थना करता है, और बारिश होती है।

उन साढ़े तीन सालों के दौरान, सबसे पहले, वह जॉर्डन नदी के पार जाकर छिप जाता है। लेकिन वहाँ भी सब कुछ सूख जाता है। फिर, क्या यह दिलचस्प नहीं है कि वह फीनिशिया चला जाता है?

वह बाल के इलाके में ही छिपा हुआ है। क्या तुमने गौर किया? वह बाल के गृह क्षेत्र में जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वह सारफत की एक महिला है।

इस बीच, ओबद्याह नाम का एक आदमी है। क्या कोई जानता है कि ओबद्याह नाम का मतलब क्या है? प्रभु का सेवक। यहोवा का सेवक।

यह वह ओबद्याह नहीं है जिसने माइनर प्रोफेट्स में एक अध्याय की किताब लिखी है। हम बाद में उसके बारे में बात करेंगे। यह बस एक आदमी है जो अहाब के दरबार में काम कर रहा है और

वह एक ईश्वरीय व्यक्ति है, यहाँ तक कि इतनी भयानक और पतित जगह में भी ओबद्याह ईमानदारी से प्रभु की सेवा कर रहा है।

प्रभु के कुछ नबियों को ईज़ेबेल के क्रूर हाथ से बचाना। इसलिए, इसे ध्यान में रखें। एलिय्याह वापस आता है और ओबद्याह से कहता है कि तुम जानते हो कि अहाब और मेरे लिए एक साथ आने का समय आ गया है।

ओबद्याह थोड़ा डरा हुआ है, लेकिन वह इसे व्यवस्थित करता है, और फिर एलिय्याह अहाब से कहता है कि बाल के सभी नबियों को इकट्ठा करो। अब, पहली चीज़ जो आप देखते हैं वह है एलिय्याह का पद 21 में लोगों के सामने जाना। मैं अब अध्याय 18 में हूँ, और हम इस सामान में से कुछ पढ़ने जा रहे हैं। एलिय्याह लोगों के सामने जाता है, और वह कहता है कि तुम कब तक उन दोनों के बीच झूलते रहोगे? दूसरे शब्दों में, तुम कब तक बाड़ पर बैठे रहोगे? तुम कब तक वहाँ बैठे रहोगे और अपनी निष्ठा की घोषणा नहीं करोगे? यदि प्रभु ईश्वर है तो उसका अनुसरण करो।

अगर बाल भगवान है तो उसका अनुसरण करो। और फिर पाठ क्या कहता है? लोगों ने कुछ नहीं कहा। उन्होंने सोचा कि कुछ न कहना ही सुरक्षित रास्ता है।

ऐसा नहीं है। वैसे, एलिय्याह के नाम का मतलब है यहोवा मेरा परमेश्वर है। एली मेरा परमेश्वर याह एलियाहू एलिय्याह मेरा परमेश्वर है।

जब हम इस नाटकीय घटना को देखेंगे तो लोग यही कहेंगे। फिर वे कहेंगे कि भगवान ही भगवान हैं, भगवान ही भगवान हैं, लेकिन वे अभी तक वहाँ नहीं पहुँचे हैं। वे दुविधा में हैं।

ये सभी लोग माउंट कार्मेल की चोटी पर एकत्रित होते हैं, जो इस आयोजन के लिए एकदम सही मंच है, और मैं बस वही दोहराना चाहता हूँ जो मैंने कुछ देर पहले कहा था। कार्मेल की ऊँचाई भूमध्य सागर में फैली हुई है। ऊँचाई वाले इलाकों में आमतौर पर बहुत बारिश होती है।

साढ़े तीन साल के सूखे के बाद कार्मेल पर्वत सूख गया है। वास्तव में, भविष्यवक्ता कहते हैं कि जब कार्मेल अमोस नहूम को सुखा देता है, तो हालात वाकई बहुत बुरे होते हैं। अब कार्मेल सूख गया है।

यह कितनी बढ़िया जगह है क्योंकि यह बाल के मैदान पर है जहाँ ये सभी भविष्यवक्ता नाचते हैं और खुद को काटते हैं और सब कुछ करते हैं, और कुछ नहीं होता। और जैसा कि आप जानते हैं, एलिय्याह उनका मज़ाक उड़ाता है, और वे ऐसा करते रहते हैं, और कुछ नहीं होता। और फिर एलिय्याह वेदियों का पुनर्निर्माण करता है, उन्हें स्थापित करता है, और इन बलिदानों पर पानी डालता है, कीमती पानी जब तक कि यह वेदियों के आधार तक नहीं पहुँच जाता, और स्वर्ग से आग उतरती है।

और फिर लोग क्या कहते हैं? प्रभु ही ईश्वर है, प्रभु ही ईश्वर है, लेकिन यह अभी खत्म नहीं हुआ है, है न? एलिय्याह को आगे क्या करना है? मैंने यह नहीं कहा है कि इसे यहाँ रखें। क्या आपकी व्यवस्थाविवरण 13 याद है? यदि कोई भविष्यवक्ता आकर मेरे नाम से बोलने का दावा करे और

आपको मुझसे दूर ले जाए और आपको ऐसी बातें करने के लिए कहे जो वाचा का हिस्सा नहीं हैं, तो आपको उसके साथ क्या करना चाहिए? हाँ। बाल के सभी भविष्यवक्ताओं को ले जाओ, उनमें से एक को भी भागने न दो, तुम उन्हें किशोन के नाले में ले जाओ और वहाँ उन्हें मार डालो।

और इसलिए, बाल और अशेरा के 450 भविष्यवक्ताओं को उस संदर्भ में मार दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने लोगों को प्रभु से दूर कर दिया है। इसका एक त्वरित चित्र माउंट कार्मेल पर एक अद्भुत छोटा कार्मेललाइट मठ है, और यहाँ एलिजा की एक मूर्ति है और वह एक सौम्य एलिजा नहीं है, यह एलिजा है जिसके हाथ में तलवार है और वे चीजें जो आप मुश्किल से नीचे देख सकते हैं वे भविष्यवक्ताओं के सिर हैं क्योंकि वह भगवान की वाचा का वचन रख रहा है। फिर वह प्रार्थना करता है कि बारिश हो और वह अहाब से आगे यिज़्रेल की ओर भागता है, संभवतः यह उम्मीद करते हुए कि अब अहाब और ईज़ेबेल को यह विश्वास हो जाएगा कि यहोवा ही ईश्वर है।

क्या अनुमान लगाओ? वह बुरी तरह निराश है क्योंकि इज़ेबेल कहती है कि मैं तुम्हें ठीक कर दूँगी और वह उसे धमकाती है, और फिर वह माउंट कार्मेल की ओर भागता है, मेरा मतलब है माउंट होरेब, माउंट सिनाई, वाचा के स्रोत की ओर जा रहा है। जब वह वहाँ पहुँचता है, तो कुछ ऐसी चीजें होती हैं जिन्हें हमें पकड़ना होता है, और फिर मैं तुम्हें जाने दूँगा। सबसे पहले अध्याय 19 में वह निराश हो जाता है और प्रभु उससे बात करता है। दिलचस्प बात यह है कि यह एक शांत, छोटी आवाज़ नहीं है। हिब्रू का अर्थ है आग के बाद भूकंप के बाद एक कुचलने वाली खामोशी। प्रभु उन चीजों में नहीं है, लेकिन फिर प्रभु मुझसे बात करते हैं और कहते हैं कि मेरे पास तुम्हारे लिए करने के लिए तीन काम हैं।

पहला यह है कि तुम हजाएल का अभिषेक करने जा रहे हो, दूसरा येहू और तीसरा एलीशा, हम देखेंगे कि अगली बार वे कैसे काम करते हैं, लेकिन भगवान मूल रूप से कह रहे हैं कि मेरे पास तुम्हारे लिए काम है, और वैसे, इज़राइल में 7000 लोग हैं जिन्होंने अभी तक बाल के सामने घुटने टेकने की कसम नहीं खाई है। आप अकेले नहीं हैं, जैसा कि आप जानते हैं, हमने भी नए नियम के सम्बन्ध में एलिय्याह का अंत नहीं देखा है या आपने सुसमाचारों में पढ़ा है कि जब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का जन्म हुआ, तो उसके जन्म से पहले उसके पिता को मंदिर में स्वर्गदूत गेब्रियल से सन्देश मिला और कहा गया है कि वह एलिय्याह की आत्मा और शक्ति में आएगा, जो मलाकी अध्याय 4 से ठीक मेल खाता है, क्योंकि मलाकी अध्याय 4 में कहा गया है कि प्रभु के बड़े और भयानक दिन के आने से पहले मैं एलिय्याह को भेजूंगा, जो पिताओं के हृदयों को उनके बच्चों की ओर और बच्चों के हृदयों को उनके पिताओं की ओर फेरेगा, अन्यथा मैं आऊंगा और देश को श्राप से मार डालूंगा।

दिलचस्प बात यह है कि मलाकी का अंत इसी तरह होता है। हम मलाकी के बारे में फिर से बात करेंगे, लेकिन ध्यान दें कि एलिय्याह और जॉन द बैपटिस्ट की सेवकाई के बीच संबंध स्थापित हो रहे हैं, जो निश्चित रूप से मसीहा के अग्रदूत थे।

कहने को तो बहुत कुछ है, लेकिन अंदाज़ा लगाइए कि अभी दस बजकर दस मिनट हैं, बुधवार को मिलते हैं।